PAPER-II
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 3 3 1 3

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

DOGRI
डोगरी

Paper – II
प्रश्नपत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इस पेपर च **पंजाह् (50)** मते - विकल्पी सुआल न । हर सुआल दे **दो (2)** नंबर न । **सारे** सुआल जरूरी न ।

1. भारती आर्य भाशा दा सारें शा पराना रूप :

(अ) वैदिक संहिताएं ते ब्राह्मण ग्रंथें च लभदा ऐ ।

(ब) लौकिक संस्कृत साहित्य च लभदा ऐ ।

(स) इस रूप गी कलासिक संस्कृत जां देववाणी आखेआ जंदा ऐ ।

(द) इस रूप गी वैदिकी, छान्दस आदि नाएं कन्नै जानेआ जंदा ऐ ।

(A) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	कुड़ियें	(i) बहुवचन
(ब)	पढ़ोई	(ii) तिर्यक् कारक बहुवचन
(स)	गेआ होंदा	(iii) कर्मवाच्य
(द)	कुड़ियां	(iv) संकेतार्थ

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

3. लुंठित, पार्श्विक, स्पर्श संघर्शी ते संघर्शी उच्चारण प्रयत्न दे स्हाबें इ'नें व्यञ्जनें दा स्हेई क्रम दस्सो :

(A) ल्, र्, छ्, श्

(B) ल्, छ्, श्, र्

(C) र्, ल्, छ्, श्

(D) र्, श्, ल्, छ्

4. हेठ दित्ते गेदें दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A भाशा माह्नू दे वाक् अंगें थमां उत्पन्न ध्वनि-प्रतीकें दी इक यादृच्छिक व्यवस्था ऐ ।

R भाशा माह्नू आस्तै माह्नू समाज च विचार अभिव्यक्ति दा साधन बी ऐ । एह् की जे हर भाशा-समाज लेई इक्कै नेई होंदी, इसलेई यादृच्छिक ऐ ।

(A) A ते R दोऐ ठीक न ते R A दी स्हेई व्याख्या करदा ऐ ।

(B) A गल्त ते R ठीक ऐ ।

(C) A ते R दोऐ ठीक न R A दा परिपूरक बी ऐ ते यादृच्छि शब्द स्हेई व्याख्या करदा ऐं

(D) A ते R दोऐ ठीक न ते R A दा व्यतिरेकी ऐ ते उसदी स्हेई व्याख्या करदा ऐ ।

5. इं'दे च थाह्र-सूचक क्रिया विशेशन ऐ :

(A) नकेबलै

(B) तौले

(C) बल्लें

(D) रातोरात

6. 'कारक'नांऽ दी व्याकरणिक कोटि :

(अ) धातुएं कन्नै बरतोंदी ऐ ।

(ब) नामपदें कन्नै बरतोंदी ऐ ।

(स) नामपदें दा क्रिया कन्नै सरबंध स्थापत करदी ऐ ।

(द) सभनें नामपदें गी वाक्य च कोई नां कोई थाह्र दिंदी ऐ ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	फलना	(i)	समुच्चयबोधक अव्यय
(ब)	करोआना	(ii)	नामिक क्रिया
(स)	दे विशे च	(iii)	प्रेरणार्थक क्रिया
(द)	तां गै	(iv)	संबंध सूचक अव्यय

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

8. उत्तमपुरश बहुवचन सर्वनाम, मध्यमपुरश इकवचन, अन्य पुरश बहुवचन ते उत्तमपुरश इक वचन सर्वनाम दे क्रम दे स्हाबें इं'दा स्हेई क्रम दस्सो :

(A) में, तूं, ओह्, अस ।

(B) तूं, अस, में, ओह् ।

(C) ओह्, में, अस, तूं ।

(D) अस, तूं, ओह्, में ।

9. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी (A) एसर्शन यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि (कारण) आखेआ गेआ ऐ :

A डोगरी दियें जातिवाचक संज्ञाएं च लिंग, वचन ते कारक आस्तै रूपायन होंदा ऐ ।

R जातिवाचक संज्ञाएं च समूह-वाचक ते द्रव्यवाचक संज्ञां बी शामल होंदियां न, इस लेई जिं'दे लिंग आस्तै रूपायन नेई होंदा, इस लेई सभनें जातिवाचक संज्ञाएं च इ'नें त्रौनें आस्तै रूपायन नेई होंदा, कुतै-कुतै सिर्फ वचन ते कारक आस्तै बी रूपायन होंदा ऐ ।

(A) A ते R दोऐ स्हेई न, पर दौनें दी आपूं-चें संगति नेई ।

(B) A ते R दोऐ ठीक न ते R A दे वक्तव्य दी सूक्षम समीक्षा ते व्याख्या बी करदा ऐ ।

(C) A गल्त ऐ ते R स्हेई ऐ ।

(D) A ठीक ऐ ते R A दे वक्तव्य दी स्हेई व्याख्या नेई करा करदा ।

10. देवनागरी लिपि च डोगरी लिखने आस्तै अपनाए गेदे नमें चि'न्न न :

(A) ह, –'– ते –s

(B) ि, ो ते ौ

(C) –'–, –s ते ॅ

(D) –s, ं ते ँ

11. बेद्धन धरती दी :

(अ) डोगरी दा पैह्ला महाकाव्य ऐ ।

(ब) इसदे रचनाकार कवि प्रकाश प्रेमी होर न ।

(स) साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत रचना ऐ ।

(द) इसदे ञारां सर्ग न ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	अस ते आं बनजारे लोक	(i)	केहरि सिंह मधुकर
(ब)	जित्तो	(ii)	वेदपाल दीप
(स)	पदम् गोखरू	(iii)	पद्मा सचदेव
(द)	त'वी ते चन्हां	(iv)	जितेंद्र उधमपुरी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

13. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें पूर्ण चंद बडगोत्रा हुंदी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) तपाश लोई दी, सोचें दा सरलाऽ,गास होआ बदलोखा, सुक्का सौन ।

(B) तपाश लोई दी, सोचें दा सरलाऽ, सुक्का सौन, गास होआ बदलोखा ।

(C) सुक्का सौन, तपाश लोई दी, सोचें दा सरलाऽ, गास होआ बदलोखा ।

(D) गास होआ बदलोखा, तपाश लोई दी, सोचें दा सरलाऽ, सुक्का सौन ।

14. कैक्टस संग्रैह् :

(अ) इक चमुखें दा संग्रैह् ऐ ।

(ब) एक गज़ल संग्रैह् ऐ ।

(स) दे रचनाकार रत्न दोशी न ।

(द) दे रचनाकार शिवराम दीप न ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

15. बुक्कल :

(अ) इक गज़ल संग्रैह् ऐ ।

(ब) दे रचनाकार नरसिंह देव जम्वाल न ।

(स) वीरेन्द्र केसर न ।

(द) धीरज केसर न ।

(A) (अ) ते (स) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

16. डोगरी दे पैह्ले क्हानीकार ते उं'दा पैह्ला क्हानी संग्रैह् ऐ :

(अ) नरेंद्र खजूरिया ।

(ब) भगवत प्रसाद साठे ।

(स) पैह्ला फुल्ल ।

(द) खाली गोद ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

17. टापू दा आदमी :

(अ) इक क्हानी-संग्रैह् ऐ ।

(ब) इक निबंध संग्रैह् ऐ ।

(स) इसदे लेखक छत्रपाल न ।

(द) इसदे लेखक चमन अरोड़ा न ।

(A) (अ) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

18. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	बदनामी दी छां	(i)	मदनमोहन शर्मा
(ब)	सूई धागा	(ii)	ललिता मेहता
(स)	इक परछामां बदली दा	(iii)	रामनाथ शास्त्री
(द)	फुल्ल बिना डाली	(iv)	वत्स विकल

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

19. हाड़, बेड़ी ते पत्तन :

(अ) इक क्हानी संग्रैह् ऐ ।

(ब) इक उपन्यास ऐ ।

(स) दे रचनाकार वेदराही न ।

(द) दे लेखक रामकुमार अबरोल न ।

(A) (अ) ते (स) ठीक न ।

(B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

20. फुल्ल बिना डाह्ली :

(अ) इक क्हानी ऐ ।

(ब) इक उपन्यास ऐ ।

(स) दे लेखक नरेन्द्र खजूरिया न ।

(द) दे लेखक वत्स विकल न ।

(A) (अ) ते (स) ठीक न ।

(B) (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

21. विवरणात्मक निबंध च :

(अ) कुसै क्हानी जां घटना दा ब्यौरा दित्ता जंदा ऐ ।

(ब) कुसै नांऽ कुसै रूप च कथा अंश मजूद रौंह्दा ऐ ।

(स) सरसता ते रोचकता बनी दी रौह्ंदी ऐ ।

(द) व्यास शैली बरत जंदी ऐ ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2
(अ) लोकगीत गायन शैली	(i)	मश्करी
(ब) दिल दी खुराक	(ii)	बरतन-बरतान
(स) समाजी लेन-देन	(iii)	मन
(द) पलै च तोला, पलै च मासा	(iv)	भाख

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

23. रब्बीमार बेरोजगार, मश्करी, कुत्ते, सवेरै-सवेरै नांऽ दे निबंध-क्रम दे स्हाबें इ'दे लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) शिवनाथ, बालकृष्ण शास्त्री, नरसिंह देव जम्वाल, विश्वनाथ खजूरिया ।

(B) विश्वनाथ खजूरिया, शिवनाथ, बालकृष्ण शास्त्री, नरसिंह देव जम्वाल ।

(C) बालकृष्ण शास्त्री, शिवनाथ, नरसिंह देव जम्वाल, विश्वनाथ खजूरिया ।

(D) नरसिंह देव जम्वाल, बालकृष्ण शास्त्री, विश्वनाथ खजूरिया, शिवनाथ ।

24. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A शलैपा मनै दा इक महत्त्वपूर्म भाव ऐ ।

R शलैपा मनुक्खै गी मता प्रभावत करदा ऐ । शैल-सन्हाकड़ी कोई चीज जां द्रिश्श माह्नू गी अपने पास्सै आकर्शित करदा ऐ । इस करियै एह् मनै दा इक महत्त्वपूर्ण भाव ऐ ।

(A) A ठीक ऐ पर R दी व्याख्या युक्ति युक्त नेई ऐ ।

(B) A ठीक ऐ पर R दी व्याख्या च अतिश्योक्ति ऐ ।

(C) A ते R दमै ठीक न ते R दी व्याख्या बी उपयुक्त ऐ ।

(D) A एह् भाव स्पश्ट नेई करदा पर R च इसदी व्याख्या स्हेई ऐ ।

25. यात्रा लेखें दा संग्रैह् ऐ :

(A) चुब्बां ते हासे ।

(B) त्रिवेणी ।

(C) निक्किंयां-निक्किंयां गल्लां ।

(D) राम-रचना ।

26. समस्या प्रधान नाटक न :

(अ) जीने दी कैद ते कौड़े घुट्ट

(ब) कौड़े घुट्ट ते राजा मंडलीक

(स) जीने दी कैद ते पंज कल्याणी

(द) काला सूरज ते पिंजरा

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न

(C) सब्भै ठीक न ।

(D) सब्भै गल्त न ।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	पंज कल्याणी	(i)	रेडियो नाटक ऐ
(ब)	अम्बर छूहै धरती नमानी	(ii)	नुक्कड़ नाटक ऐ
(स)	कूंशजादी	(iii)	समस्या प्रधान नाटक ऐ
(द)	कौड़े घुट्ट	(iv)	लोक शैली दा नाटक ऐ

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

28. प्रकाशन दे स्हाबें इ'नें नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) कच, जनौर, देवयाणी, सरपंच ।

(B) सरपंच, जनौर, कच, देवयानी ।

(C) देवयानी, सरपंच, कच, जनौर ।

(D) सरपंच, कच. जनौर, देवयानी ।

29. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते द्रुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A इक भाशा च व्यक्त बचारें गी यथासंभव समान ते सैह्ज अभिव्यक्ति राहें दूई भाशा च व्यक्ति करना गै अनुवाद ऐ ।

R अनुवाद दा अर्थ ऐ स्रोत भाशा दे संदेश आस्तै लक्ष्य भाशा च निकटतम सैह्ज ते ओह्दे बरोबर दी सृश्टि करना ते एह् समानता अर्थ ते शैलीगत होंदी ऐ ।

(A) A ठीक ऐ ते R इसदी युक्ति युक्त व्याख्या करदा ऐ ।

(B) A ठीक ऐ ते R इसदी युक्ति युक्त व्याख्या नेई करदा ।

(C) A गल्त ऐ पर R इसदी युक्ति युक्त व्याख्या करदा ऐ ।

(D) A ते R दोऐ गल्त न ।

30. अयोध्या नाटक च :

(A) सीता नायिका ऐ ।

(B) ककेई नायिका ऐ ।

(C) राम मुक्ख पात्तर न ।

(D) दशरथ मुक्ख पात्तर न ।

31. काव्य शास्त्रियें अनुसार काव्य दा प्रयोजन :

(अ) जस्स मान प्राप्त करना ।

(ब) अमंगल दा नाश करना ।

(स) शिश्टाचार सिक्खना ।

(द) आनन्द प्राप्त करना ।

(A) (अ) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) सब्भै ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	जित्थै इक उपमेय दे मते उपमान होन	(i) यमक अलंकार
(ब)	इक्कै शब्द बक्ख-बक्ख दो अर्थ दिंदा होऐ	(ii) सधारण धर्म
(स)	उपमेय-उपमान च बरोबरी दस्सने आह्ला शब्द	(iii) मालोपमा अलंकार
(द)	जिस खेतरा च उपमेय-उपमान दी तुलना कीती जा	(iv) वाचक

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

33. कालक्रम दे स्हाबें डोगरी साहित्य आलोचना दे इ'नें संकलनें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) डोगरी शीराज़ा साहित्य आलोचना अंक, डोगरी साहित्य बवेचन 1982, डोगरी साहित्य दर्शन, नमीं चेतना समीक्षा अंक ।

(B) डोगरी साहित्य बवेचन 1982, नमीं चेतना समीक्षा अंक, डोगरी शीराज़ा साहित्य आलोचना अंक, डोगरी साहित्य दर्शन ।

(C) डोगरी साहित्य दर्शन, डोगरी साहित्य बवेचन, नमीं चेतना समीक्षा अंक, डोगरी शीराज़ा साहित्य आलोचना अंक ।

(D) नमीं चेतना समीक्षा अंक, डोगरी साहित्य बवेचन, डोगरी शीराज़ा साहित्य आलोचना अंक, डोगरी साहित्य दर्शन ।

34. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A जिस काव्य रस राहें करुणा-वेदना दी अनुभूति होंदी होऐ, उसगी करुण रस आक्खेआ जंदा ऐ ।

R की जे इस रस राहें खुशी नेईं, बल्के मानसिक क्लेश पैदा होंदा ऐ ।

जि'यां :

"कुस दी लोथ पसारिया इक्कली जन निश्प्राण,

एह् तज्जी दी मैह्रमें पेई दी सुन्न-मसान ।"

काव्य प्रयोग च दुख दा भाव जगांदी ऐ ।

(A) A ते R दोऐ ठीक न A ते R दी अर्थाभिव्यक्ति गी बड़ी चंगी चाल्ली स्पश्ट करदा ऐ ।

(B) A थमां R सशक्त ऐ ते A भाव गी आंशिक रूप च दर्शादा ऐ ।

(C) A ते R दोऐ स्हेई न ।

(D) दोऐ गल्त न ।

35. इं'दे च साहित्य बारै दित्ती गेदियें परिभाशाएं चा पच्छमी विद्वान क्रोचे दी परिभाशा ऐ :

(A) साहित्य दा सृजन स्कूलें च नेईं, गलियें ते चौकें च होंदा ऐ ।

(B) शब्द साहित्य दा शरीर न ते अर्थ उसदी आत्मा । दौनें दा मेल जरूरी ऐ ।

(C) साहित्य इक मना गी दुए मना कन्नै रलाने दा साधन ऐ ।

(D) साहित्य जीवन दा कलात्मक चित्रण ऐ ।

36. जागरना :

(अ) इक जनानका डोगरी लोक नाच ऐ ।

(ब) एह् बसोए उप्पर नच्चेआ जंदा ऐ ।

(स) जागतै दी जान्नी बरधने परैन्त नच्चेआ जंदा ऐ ।

(द) पुरशें गी एह् नाच दिक्खने दी ठाक ऐ ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (द) ठीक न ।

(D) सब्भै ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	"बाबल इक मेरा कैहना सुन लीजिए"	(i)	बिशन पते दे बोल न ।
(ब)	इस कांगड़े दी सौ सट्ठ पौढ़ी	(ii)	खेढ गीत दे बोल न ।
(स)	मेरे राम बिना, मेरे हरि बिना, दिन निक्के ते रातां बड्डियां	(iii)	नरातें दा गीत ऐ ।
(द)	हरणा ओ हरणा, दोहार नेइयों करना	(iv)	ब्याह् सरबंधी लोक गीत ऐ ।

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

38. संस्कार-संपादन क्रम दे स्हाबें इ'नें संस्कारें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) मोनन, ठुआं सूतरा, कड़माई ।

(B) ठुआं मोनन, कुड़माई, सूतरा ।

(C) सूतरा, मोनन, ठुआं, कड़माई ।

(D) ठुआं, सूतरा, मोनन, कड़माई ।

39. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A जिस लोकनाचै गी मतेहारे नर्तक ढोलै दे तेज ताल्लै पर नच्चदे न, उसदा नां 'भांगड़ा' नाच ऐ ।

R की जे 'भांगड़ा' नाच पर्व-ध्यारें पर नच्चेआ जंदा ऐ, इसकरी इस च नर्तकें रंग-बरंगियां सन्हाकड़ियां पुशाकां लाई दियां होंदियां न ।

(A) A ते R दोऐ गल्त न ।

(B) A ते R दोऐ ठीक न ।

(C) A स्हेई ऐ ते R गल्त ।

(D) A आंशिक तौर पर ठीक ऐ ।

40. 'गरलोडी' ऐ :

(A) बजोगी गीत ।

(B) खेढ गीत ।

(C) भगती गीत ।

(D) मेह्नत-मुशक्कत सरबंधी गीत ।

41. डोगरी च कथा-साहित्य दा अनुवाद :

(अ) पंचतंत्र दे डोगरी अनुवाद कन्नै 1957 ब'रे च रम्भ होआ ।

(ब) 1934 ब'रे च श्रीमद्भगवद्गीता दे अनुवाद कन्नै रम्भ होआ ।

(स) दे मूल लेखक पंडत विष्णु शर्मा न ।

(द) दे अनुवादक अनंतराम शास्त्री न ।

(A) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ), (स), (द) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा च दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) कांचन रंग	(i) गौरी शकंर
(ब) अ'न्ना युग	(ii) जितेन्द्र शर्मा
(स) मेरियां यूनिवर्सिटियां	(iii) रामनाथ शास्त्री
(द) श्रीमद्भग्वदगीता	(iv) वीणा गुप्ता

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

43. कविता, क्हानी संग्रैह्, उपन्यास, नाटक दे क्रम दे स्हाबें इ'नें अनुवादें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) पार्थिव दा सुखना, सलाम, पिछलग्ग, नमें युगै दे बारस ।

(B) नमें युगै दे बारस, पिछलग्ग, सलाम, पार्थिव दा सुखना ।

(C) सलाम, नमें युगै दे बारस, पिछलग्ग, पार्थिव दा सुखना ।

(D) सलाम, नमें युगै दे बारस, सलाम, पिछलग्ग, पार्थिव दा सुखना ।

44. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A छाया अनुवाद भावानुवाद कशा बी मता दूर बझोंदा ऐ । इस च अनूदित कृति मूल कृति बझोंदी ऐ ।

R इस किस्म दे अनुवाद च अनुवादक अपने देशकाल ते संस्कृति अनुसार लक्ष्य भाशा च मूल भाशा च मूल पाठ दे पात्तरें, घटनाएं ते प्रसंगें आदि दा बी देशीकरण करी लैंदा, इसकरी एह् भावानुवाद कशा बी दूर होई जंदा ऐ ।

(A) A ते R दोऐ ठीक न ते इक दुए दे पूरक न ।

(B) A ते R दोए ठीक न ते R A दा कारण स्पश्ट करा करदा ऐ ।

(C) A गल्त ऐ ते R ठीक ऐ ते अपने आपै च स्पश्ट ऐ ।

(D) R बेशक्क पूरा ते स्पश्ट ऐ पर A कन्नै संगति नेई दस्सा करदा ।

45. अनुवाद च अनुवादक गी खु'ल्ली छुट्टी होंदी ऐ :

(A) काव्यानुवाद च ।

(B) मूलनिश्ठ अनुवाद च ।

(C) भावानुवाद च ।

(D) मूल मुक्त अनुवाद च ।

46. जनसंचार दे परम्परागत माध्यम :

(अ) दा प्रयोग मनुक्ख मुढै थमां करदा आया ऐ ।

(ब) मनुक्खी जीवन दे विकास च सहायक रेह् न ।

(स) समूह् दी समूहिक अभिव्यक्ति होंदे न ।

(द) च देसै दे बक्ख-बक्ख खेत्तरें दी सांस्कृतिक ते भाशा दे अनुकूल अभिव्यक्ति च भिन्नता साफ नजरी औंदी ऐ ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) सिर्फ (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) सब्भै ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	टैलीफोन	(i) मनेयादी
(ब)	रेडियो	(ii) द्रिश्श-श्रव्य माध्यम
(स)	टैलीविजन	(iii) एलेक्जेंडर ग्राह्म बेल
(द)	परम्परागत माध्यम	(iv) मारकोनी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

48. लोक नाच, लोक चित्रकला, लोक गीत, लोक कत्थ क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(A) स्वास्तिक, कुड्ड, लक्क टुनुं-टुनुं, ढोलडू

(B) कुड्ड, स्वास्तिक, ढोलडू, लक्क टुनुं-टुनुं

(C) ढोलडू, स्वास्तिक, कुड्ड, लक्क टुनुं-टुनुं

(D) लक्क टुनुं-टुनुं, कुड्ड, स्वास्तिक, ढोलडू

49. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A इलेक्ट्रानिक मीडिया च बिजली दियें तरंगें दी शक्ति दा प्रयोग होंदा ऐ ।

R रेडियो ते दूरदर्शन बिजली दियें तरंगें दे स्हारे कम्म करदे न । इस आस्तै इ'नेंगी बी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दे अंदर लैता जंदा ऐ ।

(A) A ठीक ऐ R गल्त ऐ की जे कारण भलेआं स्पश्ट नेई ऐ ।

(B) A ठीक नेईं ऐ ते R ठीक ऐ की जे कारण भलेआं स्पश्ट ऐ ।

(C) A ते R दमै ठीक न की जे A दी R व्याख्या R करा दा ऐ ।

(D) A ठीक ऐ पर R A दी आंशिक व्याख्या करदा ऐ ।

50. 'बहुजन हिताय ते बहुजन सुखाय'दी द्रिश्टी कन्नै आकाशवाणी कार्यक्रम दा उद्देश्श ऐ :

(A) सूचना दा प्रसार ।

(B) शिक्षा दा प्रसार ।

(C) मनोरंजन ।

(D) सब्भै ठीक न ।

Space For Rough Work